Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-611

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.A. (with Yoga Science), Semester : Sixth
Sanskrit ; Paper : First

संस्कृत–व्याकरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "इन्द्र–वरुण" – इत्यादिसूत्रं सम्पूर्णं लिखित्वा – व्याख्याय सर्वाणि उदाहरणानि प्रकृतिप्रत्ययनिर्देशपुरस्सरं साध्यानि।
2. देवी, गौरी, एनी, गोपी, सूर्या, चन्द्रमुखी, तटी–एषु पञ्च प्रयोगाः प्रकृतिप्रत्ययनिर्देशपुरस्सरं साधनीयाः।
3. गर्गादिभ्योयञ् , शिवादिभ्योऽण्, क्षत्राद् घः, तस्य निवासः, नडशादाड्ड्वलच् – एषु त्रीणि सूत्राणि सोदाहरणं व्याख्येयानि।
4. राष्ट्रियः, प्राच्यम्, तदीयः, तावकीनः, गोमान्, चूडालः, केशवः, एषु पञ्च प्रयोगाः प्रकृति–प्रत्यय–निर्देश–पुरस्सरं सध्याः।
5. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, विद्यविहीनः पशुः– अनयोरेकं विषयमाश्रृत्य नातिसंक्षिप्तो निबन्धो लेख्यः।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. कुमारी, मृद्वी, गोपी, भवानी, चन्द्रमुखी– एषु प्रत्येकं कस्मात् शब्दात् केन सूत्रेण कः प्रत्ययः?
7. "आयनेयीनीयियः फढखछघां प्रत्ययादीनाम्" इदं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्येयम्।
8. "मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्यः" इति सूत्रं सोदाहरणं सम्यग् व्याख्येयम्।
9. अवारीणः, दिव्यम्, अमात्यः, आस्माकः, मध्यमः – एषु प्रत्येकं प्रकृतिप्रत्ययौ निर्देष्टव्यौ।
10. विदुष्मान्, लोमशः, केशी, दण्डी, वाग्मी– एषु प्रत्येकं सूत्रनिर्देशपूर्वकं प्रकृतिप्रत्ययौ लेख्यौ।
11. संस्कृतेऽनुवादं कुरुत–
    (क) मैं देखूँ और बोलूँ। (ख) मेरे मित्र का कार्य कर दो। (ग) शिक्षक शिष्य को गाँव भेजता है। (घ) बालक डण्डा लेकर दौड़ता है। (ङ) दही मधुर है।
12. हिन्दी में अनुवाद करें –
    (क) स वस्त्राणि सीव्यति। (ख) पिता पुत्रे स्निह्यति। (ग) रक्षांसि तमसि विचरन्ति।
    (घ) मनः सत्येन शुध्यति। (ङ) प्राज्ञः सत्येन सुखं प्राप्नोति।

----------x----------